

२०१५ व २०१६ का तीसरा अधिवेशन
आरम्भ कृति तीसरा अधिवेशन

आतक

५

आतक	
764	I

ASNA ARCHIVES

नमः चन्द्रमाय ॥ अशुनीनामनद्रुगया, द्विगाल, गिगनिमूद्रुग, धी
गिद्रुमालेयवगा, वक्राधिधवगा, अश्वायनिगान, पुर्वगसत्त्वयवडा
गि, डलनद्रुग, अगालद्रुग, मधनागि, पत्रियुष्क, अथसुगाजाग ॥
पीगवर्ण, गशवन्क, असवन्क, रूपवन्क, पीयदर्शनो, सोराग्य, धान
यानायक, कामलस्रुगव, धमस्रुपलमड, अर्दकाली, धिनवचन
कुमा, लोकवकनूणीयाव, अनेकमिग, दानान, यवयाकन्य

धमिष्ट, कुगलकालि, दानणील, मनुसव, दव, उत्र, अगिधिस
कनय, चत्वारिनिष्ठन, चत्रयिक, कोद्रुल, लारि, वलवन्क
वालकस, इखि, नीर्थसूखी, धनवन्क, वानिद्रुव, आश्रयाय
नारुसंवक, पयगणसूखी, बुद्धिधिराय, संगाय, निविवविथा
गशयीव, खूयालय, कनागद्रुद्रुय, मायागामरुनय, वीवन
विन, महानद्रुय, नसाकन, लयनद्रुय, धूमिस्रुगव ॥ आश

न दासत्रयशयु धनि इडधन कस्मि हा ना धनसत्रशयु ॥ पा
नू यादुखायु मययु । प्राग वागपीग अगिसात्र मालसायु घा
नसायु कवित्रयु अकालमृत्क वर्ष ८ वर्ष ९ पाननागि वसेय
वर्ष १२ दानव्याधि अगिसात्रन मृत्क वर्ष १८ । वर्ष २४ संगसस
युयारुय वर्ष ३२ दानागिसात्र वर्ष ४० वेनागन अनास मन मित्र
पूयु धाधन मृत्क मइत्रसा पत्रमायु यूयहादमायु ॥ १ ॥
रिनुनीनक्रया गीगान पंचदशमूद्रग सोछायनिगाग । ३

मदवगा रेलव विष्णु अष्टिदवगा थगासन मानूषजागि गरु
सन्ध अंगानकंग मषवाडि डरुनद्वान अथसगाजाग पीग
वर्ष ८ उगस्रराव पंडितगइयु पापवृद्धि वचन मवून नऊसी
असवन ल्यागि दवयाकत्रय अगिधि देवयाकत्रय पत्रनिधिया
कत्रग मिशगामगाव वावकसइश्वी नीथीसूखी धनसाहासी
धनमायकिव अनास कार्यसमस अत्रमृयाक नऊसेवक
क्राअवनशयायु काधिमइव आत्रसाक दयूव कायगन

क्रययुव धुनिस्वराव आहान धनि धन कसि मन्त्रयपिपिनी
गुधि आदिन नययु नाग कामकन गुनिसान वाधिन कयुव
मानस्योयु धागस्योयु धुनिनाग ॥ अकारमृत् वर्ष १ क्रनागिसो
नवर्ष ८ वाधि मिखासोक वर्ष १० खोयासय वर्ष १८ क्रनदाय
वर्ष २३ इमुयारुय वर्ष ३० विषरुय वर्ष ३० दं व दाघनन
धगययुटसा वृयदंम्यायु ॥ २ ॥ कनिकनद्वयया
उव व दानसस्मान वि जति मृद के मृद्वन देव तं स डगा

पुनिन साय निः ॥ ७ ॥ पुनि कुलु युच्चा ग सीवी ॥ ना क स जा
ति न क नल्ः युव दानः ॥ ७ ॥ न क पु क व ॥ ७ ॥ क क पु क व ३ ॥
धनासियादिः विषनाडि या ड ३ ॥ ७ ॥ सु ती जा त ॥ ७ ॥ वि प्री य ड ७
न सा क प्री य ॥ ७ ॥ य रा जी ड ७ ॥ व दि य न ड ७ ॥ क य क वि ना ड ७
स वि ना ड ७ ॥ क मान म ति ॥ ७ ॥ रा यो य ना ना वि ता ॥ ७ ॥ य क य ७ ॥ ७ ॥
ठि क ७ ॥ स नी य ॥ ७ ॥ र स्वी ॥ ७ ॥ व दि व न य ७ ॥ ७ ॥ मि ल ७ ॥ स य वा दि
ना यो य व र न ॥ ७ ॥ मि ७ ॥ व स व र न यो य ॥ ७ ॥ व व र न ७ ॥ ७ ॥

उत्तुप्रज्ञक॥ आतवाद्यप्रिय॥ कातदलध्वद्वनडवकयकन॥
मधूनप्रय॥ नरकालक्रियकाध॥ कुरिक॥ मनीमननइसरवात
रधाकुयातकरु॥ अरानगानीकाजनडवि कीनमधूदुतः मसमास
प्रिय॥ अयुममववकाजगुल॥ वषडवदुद्यानरुथि॥ वष
१७ कनद्र्यः॥ विसतिववेषापलजकुद्यात॥ तिसतीवववीवरुयन॥
रत्वात्रिसतिववकाससास॥ नकलकालममयदिनमयतिप्रम
पूजसितिर्वष॥ अकालममदयसमनीविद्विज॥ रुद्रिनल्पडाग

वमग्रहयाग॥ कतिज्ञातकसमाक्र॥ १॥ मदितीनामंअ
नरत्वापिसदु॥ कथिवलमवाहानः मानूषज्ञा
तिथितवर्लुयवद्वानयः॥ वषनाजियविचुन॥ साम्य
नक्रु॥ अरुसता॥ धियेडजन॥ याज्जदिक॥ धिनविम
जाकि॥ नदृववहमति॥ संत्यवाधिजी॥ अयकभायुजी
वि॥ संस्पराजीयशुसजी॥ चक्रुमाक्रुविध्याति॥

वह यत्न कारुदनी मथनपीया वरुडा न धि न वरुडा ॥
जुति थी जु न रे के का व ॥ गो क वा य प्रिया ॥ व म न ॥ सामु ह
न के सा रा वा ॥ वा तु वा न यि ता ॥ श हा न ॥ लि रा न न डि न ड बी द
न म व प्रिया ॥ ना ग न न दा द क रु व स य अ डि गो ॥ न न दा द वा
धि ॥ व व १८ क ल ना ग क रु ॥ व व २० न स तु रु य ॥ र रु व
इ रु य ॥ व व ३० व न अ य ॥ य मा य न का सि ति व व म न ल

मा ग मा स उ रु ल ना ग न म य ति ॥ ना हि न अ न स मा फ ॥ ॥
म ग गि न न म न अ न ॥ य श ता न ॥ म ग वा हा न ॥ ३
व रु ति ॥ यि न न अ व ल ॥ य अ ड न म ग द न ॥ म ग
य न ली ॥ अ क अ न क व ॥ २ व द अ न क व ॥ व व अ ना गि
य ३ २ ॥ म थ ना गि य डि ॥ २ ना ग स व ॥ अ न स ना ग न
अ ल वा न अ वा न ॥ व म न न ॥ क म वा नि हा य डि वी न
॥ अ थ रा गा यो सा डि क ॥ ३ न ना य ॥ म व अ ॥ स यि य

दर्शनः॥रुतकात्रुल्या॥विगलतनः॥नरुसीः॥गति
यः॥यद्वयः॥सामुद्रः॥द्वयः॥नजामाताधिकः॥
वनचिह्नः॥नादेशविकः॥अतिशयः॥मथतयीयः॥उच
सानः॥गतिवाद्ययीयः॥यत्रययदिमीसरावः॥होगिहः
यत्रयतासयः॥नरुसरावः॥ह्यतीः॥रुआयेनीलीविकाः॥
वद्वयः॥भानीरुक्रुआदानः॥दधिमधुनः॥गुक्रुक्रुसायः॥
मन्यमासक्रुवक्रुयतः॥कोक्रुवातचित्तागज्जितिसानकाम

लयाधिमक्रुक्रुनदाद्यनरुयागरुविषातिः॥अकानमक्रुवयः॥
गलुमानकलवयः॥अतिसानलकीसंसयः॥वयः॥११॥
नलयाद्यातः॥चक्रुव्यादेनवाः॥वयः॥२॥सक्रुक्रुयः॥नानी
यसवयनारिचानरुयः॥मीनीमीक्रुनमत्यः॥वयः॥३॥
क्रुनडावचक्रुयागः॥वयः॥४॥अक्रुनगमनकानकपिसं
क्रुक्रुगज्जलरुद्रतिः॥यमीयुनकनवतिवयः॥॥मज

शिननकुजयाडा नकसं माय ॥४॥ छडा तामनकुज ॥
ककानक ॥ यशु चवागो जमडुल ॥ स्वदेवताकुड ॥
वाशियल्लगुसय्यासन ॥ सानसव ॥ मानय्यास ॥ यवद्वान
शिननकु ॥ जायवान वृजल वृद्वकु नसवत ॥ माथुना
शियनीयल्ल ॥ तन शुभाडा न ॥ यासादिक ॥ इशतिय
विसातिठ ॥ नरसि ॥ यइयल्ल ॥ शित्यल्ल ॥ वृद्वितन ॥

कायान् राकुं वन ॥ विषमवाडा ॥ कुनचितन ॥ यरल्ल जा
काकिनवाड ॥ कुमनीन कलहयिय ॥ अथीन वरन ॥
काकुल्ल अरु माति ॥ निरुतयिय ॥ लल्लक ॥ वेषाविधि
तानासवकरागि ॥ यसक क मातिरुवति ॥ अथमाक
॥ वीकवकर्म वाना शायनि विन ॥ यूरवयदि

सि सरुवः

न बालरावे दसि ॥ उय ज्ञात्सखी राजादानसर्वसंक्रपावात
 न यित ॥ जागारित कृति शुभरा कलुषा गिज्ञानसंरुग्दतः ॥
 न ज्ञका नमीतः ॥ वषट्कारं गिनयायी ज्ञानिदद ॥ वष ॥ वृत्त
 लक्ष्मीति ॥ कथं वा ॥ वष २४ सुनयदा न गत्वान ॥ दि नमी ॥ ३६
 क्रान्तनियोक ॥ ४० यनरिचिनिगिन शुभान ॥ न न यदि न य प्रत ॥
 सका ज्ञातिवधानिनिवति ॥ ज्ञाना न अत्र ज्ञातवासंमाफ ॥ ४॥

य न वृत्तनामनक्रुत ॥ यदि तानं ॥ यैश्वर्यं जमल्लु ॥ वृद्धी
 दवक्रा ॥ ज्ञादिथागदुवता ॥ वा ज्ञा वृत्तमता ॥ यमासंन ॥ देव
 ज्ञातिमाज्ञानसंर्व ॥ यव्वयव ॥ वृत्त ॥ शुमीयनाधि
 या ३१ ननसताज्ञा ॥ मव्यावि ॥ वल्लु ॥ निपुन ॥ सामु
 ल्ला ॥ अज्ञा ॥ गी ॥ सुरु ॥ ज्ञामहा ॥ वृद्धि ॥ यियद ॥ नयादि कः

वदुःखं नयाय धर्मवान् ॥ १ ॥ भिवालः ॥ सर्वं न देवताया धनवय ॥
दाताया ॥ स्मिन्मीठ ॥ वेदुःखं ल्यका नी ॥ भिद्यं न भिद्यं कृष्य
माना धिक् ॥ वासदा न भिन ॥ २ ॥ माता पिता ॥ ३ ॥ भूतिथि न भूतय
नका ॥ गीत वीथि प्रिय न भूत न ॥ ४ ॥ नृसुखा वा ॥ वाल सुवद
प्रीड ॥ वदुःखं सा ॥ कृष्ण गीत ॥ यत्तु वाना ॥ ५ ॥ दिग्भादि संरुमति ॥
दिग्भा सुखी ॥ यथा माक वा ॥ यद्भूसंरुत कृष्ण वत्स कान न न ॥

॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

पंचनवतिवषाणां जीवति ॥ ॥ धृतिपूनरुनदगुया ॥ २ ॥
१ पुष्पनक्षत्राणां गीगात्र विंशतिमूला वृहस्पतिद्वयगा वृषभ
त्यायनिगात्र द्विदहका न कलसासन दवशाग कागसव
पूर्वद्वान पितावर्ण दहवर्ण चन्द्रका कर्काटनासि अ
थसंगाजात पठिगइय इश्वरीइय वानकस सुबुद्धिइय
धर्मस नय दवपूजिक आखनसपीय वचनपदुगन

दानसनय धर्मनग स्वपंगड स्वाक्षगात्र रुतिगमकात्रीइ
युव सनियुवइय ॥ अंकइय आनासिइयूव ग्यानिइय
आशि पापात्माइय अहिमानि लूटो ल धीनमनइयूव
गत्रक्रकनाग स दय अथवा स्वक्रकनागइय गत्रक्रकाय
धनव नित्रियानिमिनिइइव सय धक्रयाकनागयापुत्र
नक्रदयूव आहान पात्र पाद इइ धनिधन संश्रु

अन धनुवागपीन प्रागश्रुतिसान् क्रुशपागस्यायु धागस्यायु
भात्रस्याक अकानमत्क अश्रुतिसान वर्ष १० व्याधिकृद्विनाग वर्ष
२३ दानदाघ वर्ष ३३ गीर्थसमत्क ॥ धनरुय रुटसा पनमायु
द्रयद्रयदं म्वायु ॥ ० ॥ १ अष्टाष्टनद्रगया पंचदशमूद्रक
सर्पायलिगाग नागदवगा कासवादान नाद्रसजान मृग
सख पूर्वदान गायुखान वन्दुद्रग कर्कटगालि अथसगा

आग रुतिगशीरुयु कर्मचिना क्रुकर्म मुखन कपिनकश ॥
व्यसनि पनप्रियाकनाग निप्रियानिमिहिन इधव द्विराथो
वद्रुपुग अतिनारु म्यादायु अंकवचन सणहीन धन
खराव आदान पंचामनादि समसं धनुवागपीन प्राग
नाद्ररुय धागस्यायु वाक्स्यायु व्याधि अश्रुतिसान अकान
मत्क वर्ष २ सगुयारुय दाननमत्क वर्ष २५ सर्पादष्टक

धुनाग महाबाधि । वर्ष ३० सिमाया कनक टनीव । लमुलवा मृ
फ् धन रुय रुटसा । वय द्याद म्वायू ॥ ० ॥ १ मद्यन द्वाय
७ पयैवगात्र विंशति मृदुग पीठदवगा पीगनायनी (गात्र) मज
वाहानना द्वा सजाग मूषिक सत्व गायुखात्र शयू श्रीनवर्ण
अधवास्यामवर्ण दक्षिण द्वात्रिंश सूर्यद्वग सिंहासि अग
सूना जाग सासादिक गजस्त्री पीयदेर्जी सूत्रवीका नात्र ड्व

स्वन मृदुस्वर सोराय श्रीपूजिक वासनि स्त्रिन सो द्वाद मृ
इरायो पयैवग वात्रक सइली क्राश्यावापात्र वाजसवक
धनरागी मानाधिक विकल्पमइ धनरागी द्वा मास्त्रिन वय
न स्त्रिनमिग वाक्त्रविषम अनरीत्र अद्रन सत्रय द्वात्रय
यूव धनस्वरराव आहान जा वि व्यात्रपादु धनुपीन प्रा
गपीगक गलुमान वेसर्प जिनसूत्र द्वात्रयोद्यकोमल पवास

सगमनकालस मृत्क रावा अकानमृत्क १० घागस्यस्यक
प्राग वर्ष १२ वे सप्यगलुमाल वर्ष ३ वापिकुद्विनाग वर्ष ॥
गीर्धसमृत्क वर्ष २० विषदमृत्क संयामयास्य ३० धन
रूप्यरुद्रसा मयदम्यायवनिश्रुय ॥ ० ॥ पूर्वदिनामुलीनक
गुया दिनाग निगनिमुद्रु गोगमागाग पोशानन लिहना
सि मानूषजाग दक्षिणयवका सूर्यद्वग ॥ अथसूगाजाग

प्रीतिगइयूव पीयदर्शन ॥ अकानसत्रयइयूव गवसनश्य
मिखागावायूव रिंस्त्रीनइयूव गुजस्त्री दवकलपियगोगवा
इ गन्धमालापिय मीसमागम मेथूनपिय दिशोर्यरविद
गि।पूग धनवान् समस्तकार्यसिद्धि स्तानवारु संवक आश
याक कृपनवाहन अवंदाग स्तिनवापमा नाधिक कनिक
नूषपीय कूलनकर्म दागाग धनस्रराव अरान जा वि

पात्र पादुसत्रय धातुवागपिग वागवेसर्प वास्याक द्रुग
त्राग अकालमृक् वर्ष २ महावाधि धागस्याकत्रागदय वर्ष
१२ अगिसान कलुत्राग समुधाग वर्षक २० मीयानिमिरुन
लमुगयदय वर्ष ३० पीगद्वान धनरुयरुत्सा वचययाद
मायुव ॥ ७ ॥ उगुरुलुपीनद्रुगया दिगात्र यम
दवगा कुरु अग्निदवगा जगकिगात्र लाकवाहनमानष

आगि। (गासत्त्व दक्षिणद्वान गोत्रवर्ण वृद्धद्वान सिंदनासि
कन्यात्रासि२ अथसूगाजाग मध्ववि पीयदर्शन गजस्त्री सर्व
जनपीय वलवक वनिज्ञान अक्षत्रपिय कामत्रविग क
शलकर्म क्षावास्वक्रदयुव पुरुषस्वराव दागात्ररागीद
ववाक्कल अग्निधि उरूयाक पूरुके मामववूयाक पूरुके
रुषवचन धनस्वराव आहान जात्राध वि वागद्वानयाधि

कासखास मिखास्याक प्राग अग्निजाल धनप्राग अका
लमृक् वर्ष व्याधि घागस्याक यदपीठा कच्छुवाग व
षडागा नृगनरिद्यनिपीठावा वर्ष २३ दानदाघ निमान
कूनिनीव ३३ वर्ष सन्निपागवर्ष ३१ आयायानिमिक्ति
न रुयदयूव संगामस समुयाय ॥ धनप्रागयदयूव
वयदगाम्वायूवनिष्ठय ॥ ॥ ॥ हसनदयूव साविनिध

वगा कासपगाग गडसख महिषसख दक्षिणदान आदुखान
हादुखान वृद्धद्वग कनात्रासि अथसगाजागा पणिगशयूव
गडसखी धमसवर्गमदयू समसलाकयाकखायादयूव मिसाइन
सामिडनसखराव मीथूनसत्रय विखासि सत्रविकार वानराव
दत्रिद त्रीथां सखी वाडसत्रक वनरागी वासनद्विप काषी ॥
विरायनीसगाख विद्याशीगीन दानात्री स्त्रिनत्राष स्त्रिनववन

पर्वग वनिजालशयुव यापान्मा सुयधिग नगसुखाव आह
नसमसं धागु वाग पीग प्राग दनकूल अडिक्त अगिसान द
नकक्त धननीग अकारमृक् वर्ष दान दानस्याक विनहा
यु दानागिसान वर्ष ॥ वर्ष २३ अगिसाननमृक् वर्ष ३०
लेयुपदान वर्ष ३३ बाधिनाग सक्तानादस्य धनं कंय
रुटसा सुयद्रासदम्बायु ॥ ॥ ५ विगनद्रागया स्वयदवग

मयूत्रासन वाद्रसजानि वाद्यसत्त्व दक्षिणपुवग विष्वक्
वृद्धद्रा कन्यावासि गुल्पावासि अथसुगाजान ॥ नक्तवर्ण अ
थवाकसुवर्ण पण्डितशयु नाजसवक वाणिजान कुसलकर्म
दशायगमनपंशयु पनदशगसुखी मिसाशनसामिजानसुखाव
काल अरिमानी कथीनवादान चैवत्रविग आखनसपीय निमि
यानिमिकनइवस्ययु धनसुखाव आहान वृद्धाशजन धागु

वागपीत वागुल्मशूल अगिसान पाननाग अकानमृत्त्व
वर्ष १ मुखनाग सपनदायुव वर्ष ३२ संगामरुय वर्ष ४०
ययय धनशुयययसा सफसफनिवर्ष आयु ११ दंभाय
॥ ० ॥ स्वागिनदगया पंचदशमदूक वायुदेवगा जमा
देवगा कात्यायनिगा मरिषसत्त्व दक्षिणद्वारे शुक्रद्वारे
गुल्मनागि शु अथसनाजाग पीतवर्ण अथवात्रकवर्ण पण्डि
नश्यु गुल्मनागि विद्यावक्त कृण लेकर्म पंचपूग

गिरियानिमित्तन इष्टव स्यय वासनी पत्रराश्यायाकं नक इवा
नश्युव धनवक्त मित्रनश्नसामिसायासहावश्यु मिगधि
न असणवादि कुरविग पियकाध वीर्षात्र इणीत्र गद्यी॥
गीगवाद्यसत्रय पन्नाचकंमदु भवयोक्तंमायाक धनध
सराव आहल सानीराजन दधिद्युग मव सना पीय नाग
अगिसान वाधिकाटिष्टल दालदाद्य धननाग धागुवागपिक
अकानमृत्त्व वर्ष ३ वागस्यायु कासस्वास् वर्ष २३ संगाम

समृद्ध वर्ष ३३ वर्ष ३० शीत रुच्यं मधुघागद्वय ॥ नमः
ग. धर्मरुच्यरुटसा सफसफनितवमालिजीवनि ॥ ११ म्वाय ॥
॥ ७ ॥ १ विष्णोषाननक्रुया द्विगान् ब्रून्दादिदवगा वन
ददवगा वाघसख दक्षिण द्वात्र गुकद्वग अंगालद्वग
विष्णुनासि अथसंगोडाग लोकवगाय पल्लिगइय वलव
क वालकस इ४खि ननु लवत्रस संपत्ति दयकीव वाधि
सूत्र इ४खी पोसापनियकोदय ववहात्रसगार द्वाक

वचन मामपिगायाकखायामइ पण्डुरागी दीर्घवचन धमस
परीमइ गीगवाद्यस वाक्मइ विरायने संगोष धर्मस्वरुव
आहान नाहा जा धनिइइ अकालमृक्क वर्ष १ काय स्वास
यनत्राग अकानमृक्क ३१ नद्यागिरुय वर्ष ४२ कृद्धिवाग
सन्निपागद्वान ४८ धर्मरुच्यरुटसा मयसूद म्वायव ॥ ० ॥
७ अनुराट नक्रुया वेलवलयवगा अनवायणी गोग दंस
वाहानदवडाग मगसख पीगवल्ह पश्चिम द्वात्र अंगान

कण विष्णुनागि अथसंगाजाग ग्यानि विचक्षण पल्लिग
समसुवपीय हनययुव मामवव्याकी इखि जीलसा
रावमड वासनि वीवलचिग मायावुद्धि काधि नाग
इखि मगवान नाछ सविग कुरुवागपिग नूगनकसवा
था अकात्रमृक् वर्ष ३ वर्ष ४ वेसर्प वर्ष ५ दानागिसान
कृदिस्र वर्ष ३० अकात्रमृक् हगनयुनिव ४० धनरु

यरुसा प्रयष्टदमायुवानिष्ठय ॥ ११ ॥ ० ॥ अष्टन
कणया हृन्दिदवगा पुत्रापलायनिदवगा कापनवाहा
ननाकसजाग मगसख पश्चिमद्वान अंगानक्षय विष्णुना
सि अथसंगाजाग माहावुद्धि नागपूजक नागसवक
वानकसइखी वीथीसखी धनभानासमृद्धि लिल्यवि
रु धनवक खल्यगडा पनिरागि विष्वासि विचक्षण महाइखी

I





स्वातक्रुधननासा यचायुलः ॥ जुरु सुता कृतभ विमहा विधि
॥ जुरु लय यच का रुद्रन ॥ युरु वरु वि स्मि सु ताव ॥ माहाभाया
यागा ॥ इगाल ॥ नितियाय ॥ यसाया नत ॥ इ शुल ॥ डिवा क्रुमल ॥ ७
कृतवयसवदत ॥ यथा ॥ रुरु हा यो ॥ जम पिन क ॥ मइ कल ॥ सुताव
॥ श्वति ॥ आहाल मिश्र नहा ॥ सुनायिय ॥ भातु यातया गता जकुकी
सुनः ॥ जका नम गुरु वरु ॥ कृत मूस यात वरु ॥ १० जम युहाल कृत वरु ॥ २०
कृत ज घट कानी यात ॥ वरु ३० कृत क्रु ताग वरु ॥ ४० रावल सु मुद्या

त ॥ यमायु सफ सतलिव र्वाली त्रिव ति ॥ ५० ॥ मूर तात कस माफ ॥ ६० ॥
पूर्वा यारु न क्रु ॥ जय द्रुता ॥ रुद्र मता धिद वता ॥ यचायु लु सन ॥
मानु या ताति ॥ जम सत ॥ क्रु रि न सत ॥ यश्चि मद्राव ॥ वरु स्य ॥ ७० ॥
क्रु ॥ धन ना जिय निपुल ॥ जुरु सुता तात ॥ जाम वन जर्थ सुक्र ॥ भव
वि ॥ धामि त ॥ सुत्य वरु ॥ सुता डल काय ॥ सद्र मा नि नत ॥ सुनाल ॥ सव
कृत नायिय ॥ जुरु की लधन ॥ ता रु स वा यता वीन ॥ कल सना डना रु ना वा न
रा व ड वि ड य श्वि क र्थ वक ॥ कषु क्रु रागा ॥ वरु रागा ॥ सकृ नक

पड ॥ विद्या सुता ॥ वध कन ॥ वहु यूर ॥ सुयदि वर वसरा व
सु सुन वर न ॥ सिल ड र्य ल ॥ कनि विय ॥ मा ता वि ता ड गु वा डी ॥ व
सा ॥ स रा व र्थ ति ॥ डा न मि व न रा जा ॥ धा तु वा न क द ॥ ला ग क
धिक टि रु ॥ आ स र क ॥ का स सा स ॥ अ रि लु डि न गु ल ॥ न न रा जा
अ का न म तु व र्थ ॥ कृ ति या ग रु डि व र्थ १२ क रू या वि व र्थ २० ल म
यु दा न स र्ग म रु य ॥ य मा य ॥ न का णा ती व र्थ नि की व ति ॥ ना य व
१ व का वा ड न क रू जा न क स मा य ॥ २ ड ड रु वा र ना म ल क रू ॥

वि स ड व ता ॥ कृ डा धि ड व ता ॥ न न य लु स न ॥ मा न व डा ति ॥ म
क रू स ल ॥ य रि म डा ने ॥ व रु स्य ति ॥ क रू क र्थ ॥ अ शिल क रू ॥ क
व रु ध न ना डि या ड ॥ म क रा सी या ड ३ न न स र ता डा त ॥ न क क व ल
॥ न न यि य ॥ वा क रू ॥ गु निल य रू व न ॥ अ ल्य रू वि ड गु स र य
॥ अ र्थ मा क वा ॥ अ व र सा यि ॥ ग व मा ल यि य ॥ र रु था डा रि य ड
डा रि क ॥ य न स रा व ॥ अ डा न रि ता ल ल स ॥ क रू ति क न व न यि
य ॥ ड य न रा डि ॥ धा तु वा न क रू ॥ ना ग व स य न रू था ग ॥ अ ति सा

काट शुल ॥ अका मृगु वव ॥ मूष या कव व ॥ कृत्रि या गव व
७८ कन यव व ॥ १० गदा या वि व ॥ १५ म गृह न हि यति ॥ वव
२१ वृक्ष नि या न व ॥ ३० शान न दि रु या ॥ वव ॥ ४० संक्राम स तु वा
न या धि ना म यति ॥ ५० न य दि न म य य मा यून व ति व र्षा नी जी व
ति ॥ ॥ ७० अ वा र्वा द ता क स मा य ॥ ८० ॥ शु व न ना म न कृ ॥ वि
पु ड व ता ॥ का रि का दि दे व ता ॥ मा न्वा स न ॥ दि व त्रा ति ॥ म र्क ट स व ॥
॥ य श्चि म दान ॥ ग नि शु ल कं ॥ १० म क ला सि य नि य ॥ २० ॥ अ त स ता

जा त ॥ अ वा वि ॥ यि य ड ग ल ॥ स्या म व लु ॥ अ र्थ स त ॥ क वि यि य
॥ वि सा न न ॥ या सा दि क ॥ ड सु नि य ॥ व न व ॥ अ र्थ व ॥ य ग ल वा
ल द नि ड ॥ म व व य स व ड ॥ अ र्थ ॥ वि ड स शु सि ॥ मा न व व वा नि
॥ व ह म त ॥ त्रि सा या रु वि ष ति ॥ य ध्या न ति ॥ यि य ॥ य न रा या
या ॥ का नि रु न रु न का रु ॥ य वा स ग ल ॥ स ता न ड व ध म न
॥ य स क क र्म ॥ गी त वा य नि डा स वा ॥ न रि रु क न ॥ किय ॥ का व ॥
० अ न न स र्व न ड व ति ॥ अ नु वा न यि त ॥ न ग ग ल ॥ न ग ल

मान ॥ भगु कलु सुल ॥ कननि एव्या विता रुवति ॥ अकाल मत्फ
॥ वव ७ व सय ॥ अति सान ॥ वव १२ कृति नाग गम ३ ॥ अति सान ॥ व
व २० शान रुय १ वव ७ नद्या युवा सम ७ ॥ वव ७० जानति ॥ सान
कृति नाग ॥ यत युमायू अति विद्या निरुवति ॥ ॥ अत वन
रात क सामाफ ॥ ॥ ॥ २३ धन्यार्ति नाम न कृ ॥ सय ता न ॥ सु
दव ता विष्णु ॥ वा सव रुत ॥ यत रुद्र विदवता ॥ तिसति म रुत ॥ अ
रुका सन ॥ रा रु सजा ति ॥ मुखिक सख ॥ धन रुय ति ॥ गम ७ ॥ उतल

दात ॥ शान रुल कृ ॥ ० मक नासि या ३ २ कृ सु नासि या ३ २ अत कृ मा
ना रुत ॥ स्या मव लु ॥ अर्थ लम ॥ वा कृ य ३ ॥ धी नवा कृ ॥ सर्व रुत यिय
॥ या सादिक ॥ दि धल यी ॥ अदि लु का ॥ अत यी य ॥ अिल्य रुद्र धवत
॥ अत वान वर्य नत ॥ अत रुत ॥ निवून न न रुत सी ॥ कृष कर्म ॥ वा न रुत
दनि ३ ॥ उ य अर्थ नी ॥ विद स रुत सी ॥ तिरु रा र्थ रुवि रुति ॥ व रुत रुत ॥
स रुत य ॥ र रुत रुत ॥ उ मया सि ॥ लम रुत गा ॥ माना धिक ॥ म रुत रुत
॥ रुत गा ॥ कृल क रुत अत स रुत रुत ॥ न रुत रुत रुत ॥ अत लम स मा सा
रुत ॥ द रुत रुत रुत रुत रुत ॥ अत रुत रुत रुत रुत ॥ अत रुत रुत रुत रुत

ॐ ॥ गुमयाधि का ससा स ॥ करु शिप शुन ॥ अ काज म तु व व २ कु
। व क्रि पा म ति सा न ॥ व व २ वा धि यो ग द न ॥ व व १० रु तु व्या ड न सि य ति
। व व १२ स ग्रा म स मु रु य द न ॥ व व ३० गु म शु न द न ॥ व व ७० शि म
श न न रु य ॥ व व ७० य ना रि रा न ॥ ये त य डि न म य ति ॥ अ शि ति व
वा ॥ नि क्रि व ति ॥ ॥ ध न व द्वा त क स मा फ ॥ ४॥ ७॥ २३॥ श म ति व
ना म न क रु ॥ न क ग ल ॥ य ३३ स म द र्द ॥ व क न ड व ता ॥ वि द्वा
वि ड व ता ॥ इ ल्हा य न म रु ॥ व व वा द न ॥ ना क स द्वा ति ॥ गु न ग स व
॥ उ न न द्वा य ॥ श ति र क रु ॥ सर्व ॥ क रु ना नि व नी व र्द ॥ अ ॥ य शु

भा द्वा त ॥ न क व र्द ॥ अ य द्वा क व र्द ॥ म धा वि ॥ यि य ड श न ॥ इ
न प्री य ॥ स रु ग ॥ इ व यि य ॥ वि द्वा रा गी ॥ या सा दि क ॥ इ ड स व र्द
॥ सु ल ड न ॥ पु म् वा द ॥ क रु सु न ॥ सु ल ड वि ॥ न रु सी र व क ॥ वा
नी ह ॥ अ य व त ॥ या गी ॥ ध मी व ॥ सा म् रु ॥ रु रु रा गी ॥ व रु य ॥ व
रु वि द्वा स ना य क ॥ श ल रि क ॥ अ स ति ॥ न ति यी य ॥ कौ ध ॥ श व
। रु नी माल ॥ अ रि मा ति ॥ दि द्वा रा ग ॥ सु ० रु ग म मि न ॥ मा या व
दि ॥ नि रु द्वा क मा ॥ रा रु मा ॥ रु रु म् व वि ॥ स ना न रा रु ॥ गी त
वा द्वा यि य ॥ न रु स व रा व ॥ अ ला ल म रु मा स यि य ॥ क इ ति

कलवननः ॥ सुसूत्रात्मनस विम ॥ धनुषीत ॥ पागज्जिह्वति
सावकामनककु कुनननुनाग ॥ अकावमः ॥ वर्ष १ ककु ककु काम
मः वर्ष १२ वसुयै ककु मः ॥ गनरुयति ॥ वर्ष २० ककु वः कानीया
त ॥ ति सतिवैय ककु हृदय शुन ॥ ननयदीन मयति ॥ यश्च ज्ञाति
वर्षानीतिवति ॥ ॥ अतस्तु वस्तु ककु समाये ॥ ॥ २३ पूर्व
इनामनककु ॥ द्विताति सति मरुतु ॥ अदीवृद्ध देवता ॥ अश्वाधि
देवता ॥ संकुनका पायनिहमगु ॥ धिबसन ॥ मानव ज्ञाति ॥ नक

सत्त्व ॥ ॐ नित्यं लक्षणं ॥ वंशं वृद्धं स्यात्ति कुरु कुरु सत्त्व ॥ कुरु च विद्या
३ मिनना सि पाद ॥ तत्र सूता जात ॥ जितवत् ॥ यथै धाम ॥ धर्मसि
त्वा ॥ गंभीरं नयन ॥ सर्वरुता सय ॥ वृद्धयुद्धी कानि ॥ ॐ मुमुक्षु
५ ॐ सुखी ॥ वानरा वद विडय ॥ सुखी ॥ ॐ यत्न ॥ किञ्चि कयक
ल ॥ ॐ कुरु प्रिय ॥ विद्यावत् ॥ पुत्रिहान शिल्प ॥ ॐ स नहानि ॥ क
थायुय ॥ निपुनदाता ॥ वः धर्म वास यवादि ॥ ॐ तिथि शुभ युक्त
क ॥ मातायिता कुटुम्बक ॥ ॐ वत् ॥ गीतवाद्य गध माल्य पीय ॥ कति

हृत् ॥ लति प्रियमायावृद्धि ॥ असाहित ॥ यरुल्ल ॥ कनकयुय ॥ अ
हिलुका ॥ रुरुताया निवृ ॥ वरुवृ ॥ द्विद्वील ॥ कृषकभायदिवि
नप्रियसमागस ॥ नेतसराव ॥ ओनमसमासादन ॥ असायमधक
दसूनाप्रिय ॥ धादुवातयीत ॥ चागकृत्रिगुनकन ॥ असायक ॥ यीक
॥ कनू अतिसान ॥ यीह ॥ अदि ॥ लुजिलगुल ॥ अकायमय ॥ वव
कृत्रिचागकनू ॥ वव ॥ ननुनो ॥ अयद्राद्य ॥ वव ॥ गअतिसानक
क्रिगुन ॥ वव ॥ २७ कनसनायात ॥ वव ॥ ३१ संयं भमुमुनरिद्यति ॥

अतयुषवि वर्यालादिवति ॥ अ ॥ यर्वरुड ज्ञातकसमाय ॥ ६ ॥ अत
रुडनामन कृ ॥ द्वितान ॥ य ॥ अरुवापिगमदुर्ल ॥ धनरु नृगम
॥ अहिबुधसुडवता ॥ यकाविदवता ॥ यी ० कानन ॥ मानूअडा
ति ॥ गिहसव ॥ अतज्ञान ॥ विरुस्यति कृ ॥ सर्व ॥ मी ० नसि
यनियुल्ल ॥ अरुसूताज्ञान ॥ यीतवर्ल ॥ अथवानक ॥ अधावि ॥ ध
मशि ॥ गतिनद्वि ॥ सवरुतारुय ॥ इवयुजातियत ॥ दानगु ॥ ग
मुल्ल ॥ यलकावि ॥ अकनप्रिय ॥ विद्यावक ॥ गातवाद्यप्रिय ॥ यनरा

आवत ॥ सुरग ॥ ज्ञानवत्स्यनवद्वमि ॥ विद्वद सीतवाद्ययीय ॥ यकरा
 गौरविष्णुति ॥ कमलस ॥ वनराय इन्द्रिय ॥ सुरसी ॥ अथवन ॥ सु
 पद ॥ वृद्धस्यमान ॥ वृद्धिनि कल्लुडक ॥ अरुणीयुल मवाङ्क ॥ अ
 नककथा राधा ॥ कवक ॥ भायत्री विन ॥ मायावृद्धि ॥ विदसुरसी ॥ कन
 दवृ ॥ वृद्धि ॥ मु ॥ शुभमिनि ॥ नीरुधकमा ॥ जपरिह ॥ वरु ॥
 ॥ नीडालसु सयन ॥ लदक ॥ सव्यसदुष ॥ अगसवि ॥ यरुषय
 डीमुसराव ॥ नरिसराव ॥ अज्ञानसाल्यादन ॥ दधिनी नमधकद

ति क्रमा सुसूनायुय ॥ ध्रुवा तथा ता ॥ अका न मृत्त विष्व ३ व स
य कन मृत्त ॥ वर्ष २ कुक्रि भाग अजि ह्नु ॥ वर्ष १० क्यया तन इव द
खकन ॥ सं नि या त ॥ वर्ष २२ विष ड वृ कुक्रि भाग कन ॥ वर्ष ३४ संग
भ स सु रु य ॥ य न य दी न म य ति पु मा ॥ यू र्त ल ख र्ष व र्णा नी की ति व
॥ ६० ॥ उ न रु ड डा त क समा य ॥ ॥ न व ति ना मन क रु ॥
॥ रु त न ॥ तिं सम ह ह्नु ॥ यू र्त ड व ता ॥ ग ध र्वा वि ड व ता ॥ अ ष र्ता

गान्ध्यायानीम ॥ ॥ रक्तासनद्वराहि ॥ गरुसुख ॥ उरुद्वय ॥ वृ
हस्यति ॥ कुरु सर्वत ॥ मिनत्राजियनियुक्त ॥ अष्टसुताज्ञात ॥ म
धवि ॥ धर्मनत ॥ अत्र नयीय ॥ शिल्लु ॥ ज्ञातमात्रे कुरु वृद्धि
॥ सर्वगुणन सुद ॥ देवताया धन जाय ॥ जातवाद्य गधमात्र ॥ नत
को ॥ हल ॥ व्यवहा गाल ॥ या गहा ॥ अर्थवत्ता ॥ अथवसायी ॥
वालराधद निड ॥ यमसुखी ॥ अष्टप्रादरा गा ॥ कुरु कर्मवृद्धि

॥ अतलवाशायिनि ॥ लेसरागा ॥ वदुमात्र ॥ यरायनत ॥ यिनवि सी
त ॥ निरुवद कमा ॥ विवमचि ॥ तिराया रुविष्ठाति ॥ वदुयु ॥
वदुद्राशाशस ॥ निडाल ॥ सुसन्नत ॥ व्यसवि ॥ नतियीय ॥ सुनविक्रा
क वीर्य ॥ नत सुराव ॥ अत्रानमिस्तानरागा ॥ दधिवृत्तमधुम
माससुनावाय ॥ अत्रुवातयीत ॥ आगल्लु ॥ अतिसान ॥ क
पकृति पाग कुरुका ससास ॥ नतगज ॥ अकलमृत्फ ॥

भाग॥वर्ष २ मुखयात॥कृ त्रि भाग॥वर्ष १२ कृ नक्षत्र भाग॥व
 र्ष॥११ सव भाग शुभ॥वर्ष २१ नदि रुय॥शुभ रुय कृ कानियात॥
 ॥वर्ष ३० सं ग्राम ससु द्यात॥वर्ष २१ पनाति शान द्दय शुल
 ॥नृते यदि नमयति येन मायून वस रुच॥वर्षा नी दीवति॥ ॥
 लवति शातक समा य ३॥७॥

२५

३
 ॥सा न शा इः न क र्त्त नः इइः क र्त्त नः जाधिः तव सः
 २ सोः ॥ शा ख डः सा ता रुः यनः सि ध ना रुः शा न शुभ धिः न नि का न
 २ नृः ल क र्त्त नः गान डः ॥ य दू निः सा ता रुः ॥ न इ द्वाः क न्य व स
 २ वः ल म ना क र्त्त नः गंध कः सा न रुः य वः य न म धिः रु क सः
 २ वः क क ॥ मः ध निः य न क सि धू यः सा न रुः य वः स नृः य स
 २ शुः ॥ शा ख डः इइः क वृ न य यः सा न ना य वः ॥ रु दि न्द म न सः

संज्ञा ०० वास्तव ०० वास्तव



ॐ

ॐ

ॐ

रथतिग्रह मा
को वा यथायहूय

ॐ

ॐ शिवायः यमना नाः मुक्तासाम
रथेवर्धः यवाडमर्शनश्चैव ००
वैष्णवे वृद्धमवतः यय नागश
मनः वरुण नय ॐ कना ०० डति
नशानगमः नड कृताद्रुभवतः
कर्मोत्तन के कुल्लेवः ०० तम के न
यन सुथ ॥ ०॥ आः यमना ग ॥
साः मतिः ॥ ॐ ० यनः वः ० य अन
॥ ॐ ० यूर्य नागः ॥ ॐ ० ॥ ॐ ० ॥
ॐ ॥ निन ना ना रु ना ना वतः ॥
ॐ ० ० के के कन ना त्रम नामय न
थ तिन वन न ॥ ॐ ॥

१७१: अं न नीरः मासः गंधकः सात वा १० मथ ० ० ० ० ०

१७२: वसिष्ठ निः नाडाः वा य मूढः सात ताक ० ० य ना धिः कं र वा न

१७३: ता ता व नः धन मा धिः सिध ना रूः सा ना ना ड निः ॐ ॐ म ल

१७४: स्नान नाय वः क्षयः

१७५: स्नान वा

१७६: नाय ल नः

१७७: य ल काः

१७८: ० ० र्थो का

१७९: ० ० ० ०

१८०: क ल गु निः

१८१: मा सः

१८२: म्मा तः

१८३: का व तः

१८४: म ० ० ० ० ०

ना ना य न स-

मल संख्या वक्ष्ये न काया व न नास्य क पाउच्छा तन जीसाधवा ध
आ क ना या या य ॥ वक्षु ॥ ला ॥ द्यं थ ॥ सु ॥ ॐ तिल को ॥ नाम क न वि धि
च थ निरु ल या स ना दि सा ध न या य यू र्व व न ॥ वि रि त्र यु का च न
मि ग्र ह या न रु सि आ दि र्यं न सि य ति नि ॥ ३ ॥ समा धि रु न स व
जि न यू र्व यी न न स्वा हा ॥ थु मं न न न रु ना आ दि र्यं हा य क पाउच्छ
त न ॥ थु न रु न या न स न वि धि ॥ १ ॥ २ ॥ अ थ नि व र स्म अ दि र्यं न ग
पू ज दि ना ना आ रु च न ॥ ३ ॥ सि त्र न र्यं ॥ न या स न हा य य क ॥ ४ ॥

रू न म ध्य न ि र्यं क पाउच्छा त ॥ आ र म न स्वा न ल रू र क ॥ यं इ ह स
न त्वा थ न थी य क पाउच्छा त क रा त्र व न ॥ वि धा न थ ॥ अ न या स न
वि धि ॥ ५ ॥ अ थ नि र्म ति उ कं स थ य च र्यं ॥ सा ध न या य च रा त्र म
ध वा ॥ क वृ वा त य ॥ स ति वा क ॥ ॐ ति क ल वृ वि धि ॥ ६ ॥ थु न लि रू
ज क लु ना न थ व स ड वा ध यू र्व व न ॥ वृ स सा य ॥ रू स ल वा ल सि ध न्य
पा उ छा त्र न ॥ रू स ल अ गु लि द्या य ॥ वं र यं च व न ॥ अ ल म रू न
रू स स न्य ॥ ७ ॥ ध र्म स व द्या क च न स्वा ली ॥ म नु पा ना ना व स्म रु च

लल ॥ ल शं ॥ ॐ न न वं ॥ रा क रू लि नि न्नाय ॥ म क उ य ति रु सा
॥ क लु वं ध रु सा क लु वि धि ॥ १० ॥ धा वि व यु व द्या वि धि ॥ सा ध न या य
ॐ व रु ध म्मी ॥ ॥ ध मं उ न ॥ ॥ ज्ञा ना वि य ॥ ॐ व रु स धि वं ॥ ॥ ध मं उ न ॥ ॥ मू
र स न वि य उ न रि य ॥ ॐ व रु वं धं ॥ ॥ ध न सिं धु वि रु इ नाल न व ॥
॥ रु नि धि वी य न ॥ ॐ व रु न उं ॥ ॥ सा सि वि व ना वि य ॥ ॥ व धि व ॥ ॥ सा सि
वा ड ॥ ॥ सा न ल व न ॥ ॥ ग रु व रु य ॥ ॥ ध ति रु सि वि यः वि धि ॥ ॥ ११ ॥ ॥ ध ति
उ रु रु स्य रु रु वि वि न सा का ना य ॥ ॥ वं ड रु य न सा ध रु रु का ना य ॥

सा ध वा ध ना स या रु व ॥ ॥ रु ल न ध म रु सा न य रु न रु न रु रु दि
यं रु रु ति धा रु व ॥ ॐ ति व रु मा रु स मा व रु ॥ ॥ १२ ॥ ॥ ध न वि वा रु ॥ ॥ ॥
सा रु रु थ न ॥ ॥ य ति धा या रु रु व रु श थ व थ व स रु व रु नः स हि रु न रु व रु
॥ ॥ वि या रु रु सा रु व रु रु स हि रु रु व ॥ ॥ य रु य रु स मा रु ति रु व रु ॥ ॥
नि ना रु न या य ॥ ॥ ध ति व ॥ ॐ ॥ ॐ स र्व म ला य न व्य न रुं ॥ ॥ धा थ लि
॥ ॥ मि न का य रुं ॥ ॥ सा रु य ॥ ॐ व रु स रु रु धि व रु न य रु व रु न या य
॥ ॥ मं ग न रु थ न ॥ ॥ ध ति वि वः क रु निः क रु न रु स वि रु स रु ल य नः

॥ धनीव ॥ नत वत सु आदिनं डा हा नय ॥ थु त्रिवरु नि निः सत रुड
॥ व्याप ॥ अना नय ॥ कस्य स्व प विद्यत ॥ थु ह दूय सा ड यित निशेथ दाव
मंडन स ॥ दी गतीय ॥ भृजनि डिन सकेताय ॥ थु त्रिव ॥ इइ थाप ॥ न
ष थापः ॥ र्गम पयन ॥ उवल्लु थापहा सतया ॥ श्री ॥ रु प स ला सं व
कायाय ॥ मंडा न गम थाप ॥ थु नीव ॥ रु पिनिन थाय के ॥ सत रुड कान
कोसायक ॥ श्री रुलला हा त सत यावः ॥ अलान वासन के ॥ कस्य स्व प सि
थातन रुय ॥ श्री रु प लाय ॥ गम था ॥ उव्यता था गता मुद्रा स्तेन था के
य रुक वि ॥ गुरुवां या नि ना ॥ या निवृध कृपय वर्य ता ॥ थु त्रिव ॥ श्री

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

ॐ सर्वो सना वन नर्मल सुषमय ॐ न्यता क पुला मायं रावय त ॥ ॐ
तिरु तु थारिषे क ॥ यं यहा पय गा सु ति ॥ हा थडा नया वः ॥ अका ॥
या ड रि ड बो ड ना टि पि ध न य न ॥ मला व ड स म य सखा ॥ अमू क व डो व
सि ध म ॥ सर्वा त मः मला सि दि मा रु ष्य का धि ड व ता ॥ स र्वे व ड ध मी ना
गा सि डी म य न मा क य ॥ नि डी य सा ॥ य त ॥ सि ॥ स र्वे ना ग न ना ग
न ॥ ते व न सि डी म रु ग व न मा ला ना ग ॥ म ला य त ॥ अं य त ॥ ॐ
स र्वे स र्वो ह्म आ डि मू क स थ ग त ॥ स र्वे त रु ड स र्वो मा यो वि स

लेयु सिद्धिभ ॥ सवातममला सिद्धि माह स्रु ॥ इमूदया ॥ सि
द्धि वेड मला कथा उवजा गवायते मम ॥ सर्व सखा मना व्यापि
॥ सर्व सर्वे हृदि स्मि ते ॥ सर्व सर्वे वि प्रवृत्त ॥ कामाह मया गिला
जायन सु धन स तं ह्य न यहा या यामम लुल ॥ तिन स ग्यन मना थका
मावा य नि यू न य ॥ यथा दि यू डा ॥ कृ ति ॥ ऊ ऊ मान स स्नान तन के ॥
सता वन य ड थ ॥ थिल हा ॥ अ न यं य ति मा ति षु न क ल्य क ल्य श ना
त्यु न ॥ ५

२ मा व कृ नः ॥ स व त्र २०२ इ स्त्रायाः इ ति याः श्रु दि
वा नः ॥ सि धा ता कृ ॥ इ ति हा व न स र्वा या द्र